

9

The Great Stone Face-I

Honeydew

(English to Hindi Translation)

Before you read

पढ़ना आरंभ करने से पहले

Seen from a distance, hilltops and huge rocks seem to assume various shapes. They may resemble an animal or a human figure. People attribute stories to these shapes. Some stories come true; others don't. The Great Stone Face is one such shape that reminds the inhabitants of the valley of a prophecy. What was it? Did it come true?

एक निश्चित दूरी से देखने पर, पहाड़ियां और विशाल चट्टानें विभिन्न आकारों के प्रतीत होते हैं। वे एक जानवर या एक मानव आकृति के समान लग सकते हैं। लोग इन आकृतियों के लिए कहानियों को श्रेय देते हैं। कुछ कहानियां सच होती हैं; दूसरी नहीं। महान शिला मुख एक ऐसा आकार है जो घाटी के निवासियों को भविष्यवाणी की याद दिलाता है। यह क्या था? क्या यह सच हो गया?

One afternoon, when the sun was going down, a mother and her little boy sat at the door of their cottage, talking about the Great Stone Face. They had only to lift their eyes and there it was, plain to be seen, though miles away, with the sunshine brightening all its features.

एक दोपहर, जब सूर्यास्त हो रहा था, एक मां और उसका छोटा बेटा अपनी झोपड़ी के दरवाजे पर बैठ कर, महान शिला मुख के बारे में बात कर रहे थे। उन्होंने जैसे ही अपनी आंखें उठाई, उनके सामने कई मील दूर तक समतल जमीन दिखाई दे रही थी जिस पर सूर्य की किरणें अपनी पूरी चमक बिखेर रही थीं।

And what was the Great Stone Face?

The Great Stone Face was a work of nature, formed on the perpendicular side of a mountain by some immense rocks, which had been thrown together so that, when viewed at a proper distance, they resembled the features of a human face. If the spectator approached too near, he lost the outline of the enormous face and could see only a heap of gigantic rocks, piled one upon another. But seen from a distance, the clouds clustering about it, the Great Stone Face seemed positively to be alive. It was the belief of many people that the valley owed much of its fertility to the benign face that was continually beaming over it.

और महान शिला मुख क्या था?

महान शिला मुख प्रकृति का एक कार्य था, जो कुछ विशाल चट्टानों द्वारा एक पहाड़ के लंबवत पक्ष पर बना था, जिसे एक साथ फेंक दिया गया था ताकि, जब एक उचित दूरी से देखा जाए, तो वे एक मानव चेहरे जैसे प्रतीत हों। अगर कोई दर्शक अधिक निकट जाता था, तो उसे उस भारी चेहरे की रूपरेखा दिखाई नहीं देती थी और केवल एक दूसरे पर ढेर लगी हुई विशाल चट्टानों के ढेर को ही देख सकता था। लेकिन एक निश्चित दूरी से देखने पर, और इसके चारों ओर बादलों का एक झुंड होने पर, महान शिला मुख सकारात्मक रूप से जीवंत प्रतीत होता था। कई लोगों का यह विश्वास था कि घाटी की अधिकांश उर्वरकता उस सौम्य चेहरे के कारण थी जो इन पर लगातार मुस्कान बिखेर रहा था।

9

The Great Stone Face-I

Honeydew

(English to Hindi Translation)

A mother and her little boy, as we said earlier, sat at the door of their cottage, gazing at the Great Stone Face and talking about it. The child's name was Ernest.

"Mother," said he, while the Great Face smiled on him, "I wish that it could speak, for it looks so very kindly that its voice must indeed be pleasant. If I ever see a man with such a face, I should love him very much."

एक मां और उसका छोटा बेटा, जैसा कि हमने पहले कहा, उनकी झोपड़ी के दरवाजे पर बैठकर, महान शिला मुख को देख रहे हैं और इसके बारे में बात कर रहे हैं। बच्चे का नाम अर्नेस्ट था।

उसने कहा, "मां," जबकि महान मुख उस पर मुस्कुरा रहा था, "काश कि यह बात कर सकता, कि यह इतना दयालु लग रहा है कि इसकी आवाज वास्तव में सुखद होनी चाहिए। अगर मैं कभी इस तरह के चेहरे के आदमी को देखूंगा, तो मुझे उसे बहुत प्यार करना चाहिए।

"If an old prophecy should come to pass," answered his mother, "we may see a man some time, with exactly such a face as that."

"What prophecy do you mean, dear Mother?" eagerly inquired Ernest. "Please tell me about it."

"उसकी माँ ने जवाब दिया, अगर कोई पुरानी भविष्यवाणी सच होती है", "हम उस जैसे समान चेहरे वाले किसी आदमी को एक दिन अवश्य देखेंगे।"

अर्नेस्ट ने उत्सुकता से पूछताछ की, प्रिय मां, "आप किस भविष्यवाणी की बात कर रही हैं,?" "। "कृपया मुझे उसके बारे में बताओ।"

So his mother told him a story that her own mother had told her, when she herself was younger than little Ernest; that, at some future day, a child should be born near here, who was destined to become the greatest and noblest person of his time and whose face, in manhood, should bear an exact resemblance to the Great Stone Face. Many still had faith in this old prophecy. But others took it to be nothing but idle talk. At all events the great man of the prophecy had not yet appeared.

"O, Mother," cried Ernest, clapping his hands above his head, "I do hope that I shall live to see him!"

His mother was an affectionate and thoughtful woman. It was proper, she thought, not to discourage the fanciful hopes of her little boy. So she said to him, "Perhaps you may."

तो उसकी मां ने उसे एक कहानी सुनाई जो कि उनकी अपनी मां ने उन्हें सुनाई थी, जब वह खुद छोटे अर्नेस्ट से भी छोटी थी; कि, भविष्य में एक दिन, यहां पास में एक बच्चा पैदा होगा, जिसके भाग्य में अपने समय का सबसे बड़ा और सबसे महान व्यक्ति बनना लिखा होगा और बड़ा होने पर जिसका चेहरा, महान शिला मुख के बिलकुल समान होगा। कई लोगों को अभी भी इस पुरानी भविष्यवाणी में विश्वास था। लेकिन दूसरों को यह कुछ भी नहीं, बस व्यर्थ की बात लगती थी। सभी घटनाओं में भविष्यवाणी का महान आदमी अभी तक दिखाई नहीं दिया था।

"अर्नेस्ट अपने सिर के ऊपर ताली बजाते हुए चिल्लाया, हे, मां," "मुझे आशा है कि मैं उसे देखने के लिए जीवित रहूंगा!"

उनकी मां एक स्नेही और विचारशील औरत थी। उसने सोचा, उसके छोटे बेटे की काल्पनिक उम्मीदों को हतोत्साहित करने के लिए यह उचित नहीं था। इसलिए उन्होंने उससे कहा, "शायद तुम देख सकते हो।"

9

The Great Stone Face-I

Honeydew

(English to Hindi Translation)

And Ernest never forgot the story that his mother told him. It was always in his mind whenever he looked upon the Great Stone Face. He spent his childhood in the log-cottage where he was born, was dutiful to his mother and helpful to her in many things, assisting her much with his little hands, and more with his loving heart. In this manner, from a happy yet often pensive child he grew up to be a mild and quiet youth.

और अर्नेस्ट वह कहानी कभी नहीं भूला जो उसकी माँ ने उसे बताई। यह हमेशा उसके मन में रहती थी जब भी वह महान शिला मुख को देखता था। उसने अपना बचपन लकड़ी की झोपड़ी में बिताया जहाँ वह पैदा हुआ था, अपनी माँ के प्रति कर्तव्यनिष्ठ था और अनेक कामों में उनकी सहायता करता था, अपने छोटे हाथों से बहुत, और प्यार के साथ दिल से अधिक सहायता करता था। इस तरह से, एक खुशमिजाज लेकिन अधिकतर विचारमग्न बच्चे से बड़ा होकर वह एक हल्का और शांत युवा बना।

Ernest had had no teacher, but the Great Stone Face became one to him. When the work of the day was over, he would gaze at it for hours, until he began to imagine that those vast features recognised him, and gave him a smile of kindness and encouragement.

अर्नेस्ट का कभी कोई शिक्षक नहीं था, लेकिन महान शिला मुख उसका एक शिक्षक बन गया। दिन का काम खत्म होने के बाद, वह घंटों तक उस पर टकटकी लगाए देखता था, जब तक कि वह यह कल्पना करनी शुरू नहीं कर देता कि वह विशाल चेहरा उसे पहचानता था, और उसे एक दयालुता और प्रोत्साहन भरी मुस्कान देता था।

About this time there went a rumour throughout the valley that the great man, who was to bear a resemblance to the Great Stone Face, had appeared at last. It seems that, many years before, a young man had left the valley and settled at a distant seaport. Gathergold, which was his name, had set up as a shopkeeper and, being sharp in business matters, had become so very rich that it would have taken him a hundred years only to count his wealth. In time he thought of his native valley, and decided to go back there, and end his days where he had been born.

इस समय तक घाटी में एक अफवाह फैल गई कि महान शिला मुख से मिलते जुलते चेहरे वाला महान आदमी अंततः दिखाई दे गया है। ऐसा लगता है कि, कई साल पहले, एक जवान आदमी घाटी छोड़कर दूर बंदरगाह पर बस गया था। गैदरगोल्ड, जो कि उसका नाम था, एक दुकानदार के रूप में स्थापित था, और व्यापार के मामलों में बुद्धिमान होने के कारण, इतना अमीर हो गया कि केवल अपनी संपत्ति गिनने के लिए उसे एक सौ साल लग गए। इतने में उसे अपनी पैतृक घाटी की याद आई, और उसने वहाँ वापस जाने और अपने अंतिम दिन वहीं बिताने का फैसला किया, जहाँ वह पैदा हुआ था।

Ernest had been deeply stirred by the idea that the great man, the noble man, the man of prophecy, after so many ages of delay, was at length to be seen in his native valley. While the boy was still gazing up the valley one day and imagining that the

9

The Great Stone Face-I

Honeydew

(English to Hindi Translation)

Great Stone Face returned his gaze, the noise of wheels was heard, and a crowd of people cried. "Here comes the great Mr Gathergold."

अर्नेस्ट इस विचार से गहराई से हिल गया था कि वह महान आदमी, वह दयालु आदमी, भविष्यवाणी वाला आदमी, इतने युगों की देरी के बाद, इस घाटी में दिखाई देने के लिए आया है। जबकि लड़का एक दिन अभी भी घाटी को देख रहा था और कल्पना कर रहा था कि महान शिला मुख भी उसे देख रहा था, कि पहियों का शोर सुनाई दिया, और लोगों की एक भीड़ चिल्लाई। "श्री गैदरगोल्ड आ गए हैं।"

A carriage, drawn by four horses, dashed round the turn of the road. Within it, thrust partly out of the window appeared the face of an old man with yellow skin.

"The very image of the Great Stone Face!" shouted the people. "Sure enough, the old prophecy is true. Here we have the great man, at last!"

एक गाड़ी, जिसे चार घोड़े खींच रहे थे, सड़क के मोड़ पर तेजी से भागी। इसके भीतर, खिड़की से बाहर आंशिक रूप से पीली त्वचा वाले बूढ़े आदमी का चेहरा दिखाई दिया।

लोग चिल्लाए, "महान शिला मुख की वही छवि!"। "पर्याप्त यकीन है, पुरानी भविष्यवाणी सच है। अंत में यहाँ यह महान आदमी है।

And, what greatly puzzled Ernest, they seemed actually to believe that here was the likeness which they spoke of. He turned away sadly from the wrinkled shrewdness of that unpleasant face, and gazed up the valley, where the Stone Face seemed to say: He will come! Fear not, Ernest; the man will come!

और, जिस चीज ने अर्नेस्ट को बहुत हैरान किया, वे सब वास्तव में विश्वास कर रहे थे कि यहां वह समानता है जिसकी वे बात करते थे। वह उस अप्रिय चेहरे की झुर्रियों की चतुराई से दुखी होकर मुड़ गया, और घाटी को एकटक देखने लगा, जहां शिला मुख यह कहता प्रतीत हो रहा था: वह आएगा! डरो नहीं, अर्नेस्ट; आदमी आएगा!

II

The years went on, and Ernest grew to be a young man. He attracted little notice from the inhabitants of the valley. They saw nothing remarkable in his way of life, except that, when the labour of the day was over, he still loved to gaze upon the Great Stone Face. Their idea was that this was a folly, but pardonable, because Ernest was industrious, kind and neighbourly. They did not know that the Great Stone Face had become a teacher to him, and that the sentiment which was expressed in it would enlarge the young man's heart, and fill it with deeper sympathies than other hearts. They did not know that from this would come a better wisdom than could be learnt from books. Neither did Ernest know that the thoughts which came to

9

The Great Stone Face-I

Honeydew

(English to Hindi Translation)

him so naturally, in the fields and at the fireside, were of a higher tone than those which all men shared with him. A simple soul — simple as when his mother first told him the old story — he beheld the marvellous face looking down the valley, and still wondered, why its human likeness was so long in coming.

साल बीतते गए और अर्नेस्ट एक जवान आदमी हो गया। घाटी के निवासी उस पर कम ही ध्यान देते थे। उन्होंने उसके जीवन के तरीके में कुछ भी उल्लेखनीय नहीं देखा, सिवाय इसके कि, शाम होने पर, वह अभी भी महान शिला मुख के चेहरे पर टकटकी लगाना पसंद करता था। उनका विचार था कि यह एक मूर्खता है, लेकिन क्षमा योग्य है, क्योंकि अर्नेस्ट मेहनती, दयालु और मिलनसार था। उन्हें नहीं पता था कि महान शिला मुख उसके लिए एक शिक्षक बन गया है, और इसमें जो भावना व्यक्त की गई थी, वह युवक के दिल को बड़ा कर देगी, और इसे अन्य दिलों की तुलना में गहरी सहानुभूति से भर देगी। उन्हें नहीं पता था कि इससे बेहतर बुद्धिमत्ता आएगी जो किताबों से नहीं सीखी जा सकती है। न तो अर्नेस्ट को पता था कि जो विचार उसके पास खेतों में और फायरसाइड में इतने स्वाभाविक रूप से आए थे, उन सब की तुलना में उच्च स्वर के थे जो सभी लोगों ने उसके साथ साझा किए थे। एक साधारण आत्मा- उतनी सरल जब उसकी मां ने पहली बार उसे पुरानी कहानी बताई थी- उसने घाटी में नीचे देख रहे उस अद्भुत चेहरे को याद रखा, और अभी भी सोचता है, उसकी मानव समानता को आने में इतना लंबा समय क्यों लग रहा था।

By this time poor Mr Gathergold was dead and buried. His wealth, which was the body and spirit of his existence, had disappeared before his death. Since the melting away of his gold, it had been generally agreed that there was no great likeness, after all, between the ruined merchant and the majestic face upon the mountain.

इस समय तक बेचारा श्री गैदरगोल्ड मर चुका था और दफन किया जा चुका था। उसका धन, जो उसके अस्तित्व का शरीर और आत्मा था, उसकी मृत्यु से पहले गायब हो गया था। उसके सोने के पिघलने के साथ ही, आखिरकार यह आम सहमति बनी कि बर्बाद व्यापारी और पहाड़ पर राजसी चेहरे के बीच कोई बड़ी समानता नहीं थी।

It so happened that another son of the valley had become a soldier many years before. After a great deal of hard fighting, he was now a famous commander. He was known on the battlefield by the name of Blood-and-Thunder. Old and tired now, he had lately expressed a desire to return to his native valley. The inhabitants, his old neighbours and their grown up children, prepared to welcome the renowned commander. It was being said that at last the likeness of the Great Stone Face had actually appeared. Great, therefore, was the excitement throughout the valley, and many people who had never once thought of glancing at the Great Stone Face now spent much time in gazing at it, for the sake of knowing exactly how General Blood-and-Thunder looked.

ऐसा हुआ कि घाटी का एक और बेटा कई साल पहले एक सैनिक बन गया था। एक महान कठिन लड़ाई के बाद, वह अब एक प्रसिद्ध कमांडर था। वह युद्ध के मैदान में ब्लड एंड थंडर के नाम से जाना जाता था। अब वह बूढ़ा हो गया है और थक गया है, उसने हाल ही में अपनी पैतृक घाटी में लौटने की इच्छा व्यक्त की थी। निवासियों, उनके पुराने पड़ोसियों और उनके बड़े हो गए बच्चों ने प्रसिद्ध कमांडर का स्वागत करने की तैयारियां कीं। यह कहा जा रहा था कि अंत में महान शिला मुख की समानता वास्तव में दिखाई दे गई है। इसलिए, घाटी भर में, उत्साह इतना महान था, और

9

The Great Stone Face-I

Honeydew

(English to Hindi Translation)

कई लोग हैं, जिन्होंने कभी महान शिला मुख को देखने के बारे में सोचा भी नहीं था, ने उसे देखने में ज्यादा समय बिताया ताकि यह पता लगाया जा सके कि ब्लड-एंड-थंडर वास्तव में कैसा दिखाई देता था।

On the day of the general's arrival, Ernest and all the other people of the valley left their work, and proceeded to the spot where a great banquet had been prepared. Soldiers stood on guard, flags waved and the crowd roared. Ernest was standing too far back to see Blood-and-Thunder's face. However, he could hear several voices.

जनरल के आगमन के दिन, अर्नेस्ट और घाटी के अन्य सभी लोगों ने अपना काम छोड़ दिया, और उस स्थान पर रवाना हुए जहां एक महान भोज तैयार किया गया था। सुरक्षा के लिए सैनिक खड़े थे, झंडे लहरा रहे थे और भीड़ चिल्ला रही थी। अर्नेस्ट ब्लड-एंड-थंडर का चेहरा देखने के लिए बहुत दूर खड़ा था। हालांकि, वह कई आवाजें सुन सकता था।

"It's the same face, exactly!" cried one man, dancing for joy.

"Wonderfully like it, that's a fact!" replied another.

"And why not?" cried a third; "he's the greatest man of this or any other age, beyond a doubt."

एक आदमी खुशी में नाचते हुए चिल्लाया, "यह बिल्कुल वही चेहरा है!"

दूसरे ने जवाब दिया, "शानदार वैसा ही, यह सच है!"

तीसरा चिल्लाया, "और क्यों नहीं?"; "वह संदेह से परे, इस या किसी भी अन्य युग का सबसे महान आदमी है।"

Ernest at last could see the general's face; and in the same glance, to the side, he could also see the Great Stone Face. If there was such a likeness as the crowd proclaimed, Ernest could not recognise it.

"Fear not, Ernest," said his heart, as if the Great Stone Face was whispering to him, "fear not, Ernest; he will come."

अंततः अर्नेस्ट जनरल का चेहरा देख पाया; और एक ही नज़र में उसके साथ ही वह महान शिला मुख को भी देख पा रहा था। यदि ऐसी समानता थी जैसी की भीड़ घोषणा कर रही थी, अर्नेस्ट इसे पहचान नहीं सका।

उसके दिल ने कहा, "डरो नहीं, अर्नेस्ट," जैसे कि महान शिला मुख उसे फुसफुसा रहा था, "डरो नहीं, अर्नेस्ट; वह आएगा।"